**सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 25 के अधीन आवेदन पत्र**

एक राज्य की न्यायालय से एक दूसरे राज्य की न्यायालय को एक वाद के स्थानान्तरण के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका।

भारत के उच्चतम न्यायालय में

सिविल अपीलार्थी अधिकारिता

स्थानान्तरण याचिका (सिविल) सं.........................सन.............................

सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 25 के अधीन।

**अबक**  ........ याची

बनाम

**कखग**  ........प्रत्यर्थीगन

सेवा में,

भारत का आदरणीय मुख्य न्यायमूर्ति और भारत के उच्चतम न्यायालय के उसके साथ न्यायमूर्ति गण :

ऊपर नामित याची की विनम्र याचिका निम्नलिखित में सादर निवेदन करता है

1. यह कि..................... एवं .................... के बीच वाद सं. ........................ सन................... अन्तिम 13 वर्षों से...........मै............ की न्यायालय में लम्बित है लेकिन प्रत्यर्थियों द्वारा पेश की गयी अनावश्यक अड़चनों के कारण आरम्भिक चरण.... में सान्तर चल रहा है जो..............से ....................... के राज्य में उनमें से एक के मंत्री होने के कारण ........................................ राज्य के साधनयुक्त व्यक्ति है।
2. यह कि वाद का मूल्यांकन 20 लाख रुपये किया जाता है और नगरों ................. में ........के राज्य .. और ................................. के राज्य में स्थित सम्पत्तियों से सम्बन्ध रखता है, जो पत्यार्थियों के नियंत्रण के अधीन है और याची दैनिक चर्या तथा मात्र भरण-पोषण केलिए भी उनके हाथों कष्ट झेल रहा है।
3. यह कि प्रत्यर्थियों का खेल को जबकि याची के शेष रहने वाले जीवन से दर रहता है और उस बुरे हेतुक के लिए वे एक न्यायालय या दूसरे को वाद नहीं ले जा रहे हैं और विद्वान न्यायाधीश मामले में न्याय करने की स्थिति में नहीं है और साधारण अनुक्रम में भी मामले के निपटारे में विलम्ब करने तथा लम्बा खींचने में प्रत्यर्थियों का वस्तुतः सहयोग कर रहे हैं।
4. यह कि याची ........... के राज्य की न्यायालयों से किसी भी न्याय की प्रत्याशा नहीं कर रहा है जहां प्रत्यर्थियों की पहुंच बहुत ऊंची है और बहुत लाभदायक स्थिति में है और उपर्युक्त मुद्दे में न्याय के अनुक्रम को रोक दिया है।
5. यह कि यह न्यायहित में समीचीन है कि मामले को ... के साक्ष्य में सक्षम अधिकारिता की किसी न्यायालय को स्थानान्तरित किया जा सकेगा जहां विवादग्रस्त सम्पत्तियों के मोयट (moit) से अधिक है और उस राज्य में वाद का विचारण दोनों पक्षकारों को सुविधाजनक होगा।
6. यह कि याची ने तारीख...............को प्रत्यर्थियों को इस याचिका के प्रस्ताव की सूचना उस रजिस्ट्रीकृत डाक के माध्यम से दिया है जिसको उनके द्वारा प्राप्त किया गया है।

**प्रार्थना**

अतएव, यह सादर प्रार्थना की जाती है कि .......मै...... की न्यायालय में लम्बित ....बनाम ............... के बीच उपर्युक्त वाद, वाद सं. ...............सन............ को ................. के राज्य में सक्षम अधिकारिता को किसी भी न्यायालय को स्थानान्तरित किया जाने का आदेश दिया जाय। और आबद्ध किये गये कर्तव्य के रूप में याची सदैव प्रार्थना करेगा।

**तारीख.............. अभिलेख पर अधिवक्ता**

**अन्तरण के लिए याचिका के समर्थन में शपथपत्र**

भारत का उच्चतम न्यायालय

शपथपत्र

इन

स्थानान्तरण याचिका सं................

...........................................वादी

बनाम

...................................प्रत्यर्थीगण

.....................................................पुत्र ..........................................................................उम्र ....

..........................................वर्ष, निवासी..................................................................................

मै ......................ऊपर नामित शपथकर्ता निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से कथन एवं प्रतिज्ञान करता हूँ

1. यह कि मैं उपर्युक्त स्थानान्तरण याचिका में याची हूँ और ऐसे रूप में नीचे अभिसाक्ष्य में प्रस्तुत किये गये तथ्यों से पूर्णतया परिचित हूँ।
2. यह कि मुझे दी जाने वाली स्थानान्तरण याचिका और इस शपथपत्र के उन सभी अन्तर्वस्तुओं को पढ़कर सुनाया गया है और स्पष्टीकरण दिया गया है और मैं उसको पूर्णतया समझ गया ।
3. यह कि स्थानान्तरण याचिका के पैरों 1, 2, 3, 4 एवं 6 की अन्तर्वस्तुएं तथा इस शपथपत्र के पैरा 1 एवं 2 के वे सभी मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और स्थानान्तरण याचिका के पैरा के वे सभी उस विधिक सलाह पर आधारित है जिसको मैं सत्य होने पर विश्वास करता हूँ। यह कि इस शपथपत्र का कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्विकता (सामग्री) नहीं छिपायी गयी है.

................में इस तारीख.... को सत्यापित किया गया।

**शपथपत्र**